Meyer Fortes

पुस्तकें : ① Dynamics of clanship among the Tallensi.
② Kinship's social Order.

इन्होंने कई जनजातियों का अध्ययन किया जिसमें Tallensi तथा Asati प्रमुख हैं। इसके अलावा इन्होंने Evans-Pritchard के साथ मिलकर अफ्रीका के 8 जनजातियों का अध्ययन किया जो निम्न हैं :-

State Society	Stateless Society
Zulu	Nuer
Ngreto	Tallensi
Bemba	Lagoli
Banyan Kole	
Kede	

इन्होंने सामाजिक संरचना को समय व स्थान के साथ जोड़ा इसलिए इनके सिद्धांत को 'Time's Social structure' कहा गया।

सामाजिक संरचना की परिभाषा : सामाजिक संरचना एक निश्चित समग्रता (संस्था, सामाजिक, समूह, पारिस्थितिकी या प्रक्रिया) हो सकती है। जिसका उपयुक्त तकनीक व विचारों के द्वारा विश्लेषण हो सकता है। जो समय और स्थान के अनुसार अंगों का व्यवस्थित ढंग है।

एक पारिस्थितिकी में समझौता दूसरे पारिस्थितिकी में अंग हो सकते हैं; अंगों को निश्चित करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। बल्कि वे सिद्धान्त उत्पन्न करना जो संरचनात्मक

Scanned by CamScanner

सिद्धांत बनाता है वह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

समय की परिभाषा :- समय 3 प्रकार का होता है-

① अवधि का समय :- यह बाह्य कारक है। इसका सामाजिक संरचना में कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। जैसे : कोई सामाजिक घटना या त्योहार। उदाहरण :- कटाई का त्योहार।

② निरन्तरता का समय :- यह आंतरिक कारक है जो समयानुसार होता है। जैसे : जनजातियों में वंश मिलते हैं। वंश के मुखिया की मृत्यु के बाद उसका पुत्र वंश का मुखिया बनता है।

③ आनुवंशिकी या विकास प्रक्रिया का समय → वृद्धि ज्यादातर अस्थिर समाजों में मिलती है। वृद्धि व विकास दो तरह से उत्पन्न होता है।

Ⓐ निरन्तरता (रूढ़िवादी बल के द्वारा)

Ⓑ अपरिवर्तनीय रूपान्तरण के द्वारा

→ वृद्धि सरल हो सकती है (जनसंख्या के बढ़ने या घटने से वृद्धि जटिल हो सकती है। (सामाजिक संस्थानों में गुणात्मक अन्तर आने से।)

→ वृद्धि सकारात्मक हो सकती है (अंगों में विस्तार या विकास से)

→ वृद्धि नकारात्मक हो सकती है (अंगों में ह्रास या कमी की वजह से)।

संरचनात्मक विश्लेषण → जब हम सामाजिक संरचना का वर्णन करते हैं तब हम वास्तविकता से अमूर्त करके कुछ विचारधारा का सामान्य सिद्धान्त निकालते हैं।

Scanned by CamScanner

जिसमें जटिल व्यवहार, भावनाएँ एवं विश्वास नहीं रहती है।
सामाजिक ~~संबंधों~~ संरचना में अंग एवं संबंधों की प्रवृत्ति अलग-अलग होती है। कुछ अंग एवं संबंध हर परिस्थिति में मिलते हैं, जिन्हें स्थिरांक कहा जाता है। कुछ अंग व प्रवृत्ति अचानक मिलता है तो उसे चर (variables) कहते हैं।

स्थिरांक तत्व में समानता नहीं मिलता है। स्थिरांक का अर्थ - निरन्तरता होता है। जबकि चर का अर्थ वृद्धि की प्रक्रिया या निरन्तरता है।

उदाहरण: ① Tallensi जनजाति में वंश का खण्डित होना एक सिद्धान्त है और यह स्थिरांक है। जबकि कितने खण्ड होंगे यह निश्चित नहीं है इसलिए यह चर है।

② अफ्रीका के जनजातियों में वधु-मूल्य देना एक सिद्धान्त है। इसलिए यह स्थिरांक है। कितना दिया जायेगा यह तय नहीं है अतः यह चर है।

⇒ सामाजिक व्यवहार से दो प्रकार के आँकड़े प्राप्त होते हैं:-

① परिमाणात्मक आँकड़े या गणनात्मक आँकड़े

उदाहरणार्थ: ① वधु-मूल्य का परिमाण
② वंश में पीढ़ी की गहराई
③ लोगों में प्रतिमानों का पालन करने का प्रतिशत
④ वर्गात्मक बंधुत्व की स्वीकृति का परिमाण

Scanned by CamScanner

② गुणात्मक आँकड़े —

उदाहरणार्थ:- ① वधु-मूल्य देने का उत्तर दायित्व

② मातृवंशीयता की सामाजिक स्वीकृति

③ चुड़ैल तत्व में विश्वास रखना

आलोचनात्मक विश्लेषण

संस्कृति का तथ्य गुणात्मक है। इसीलिए उसका परिमाणात्मक विश्लेषण संभव है, जबकि सामाजिक संरचना के तथ्यों का परिमाणात्मक विश्लेषण किया जाता है। वैसे संस्कृति और संरचना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनो एक ही तरीके के वास्तविकता का निर्माण करते हैं। समय व स्थान सामाजिक संरचना के लिए मूलभूत तथ्य हैं। इस ~~लिए~~ प्रकार संरचना अंगों का व्यवस्थित ढंग है जो एक अवधि में मिलता है। जिसमें सामाजिक संगठन के सिद्धांत होते हैं और जिसका किसी भी समय में सामान्यतः रूप वैधता पायी जाती है।